



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, सोमवार, मई 13, 1985/वंशाख 23, 1907
No. 10] NEW DELHI, MONDAY, MAY 13, 1985/VAISAKHA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

अधिमूचना सं० 2/85

नई दिल्ली, 8 मई, 1985

निदेशक का चुनाव करने के प्रयोजन के लिए 22 मई, 1985
को बुलाई गई विशेष महासभा के आयोजन की जगह कोई
आवश्यकता नहीं है।

उपर एन साह, कार्यपालक निदेशक

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF
INDIA

NOTIFICATION No. 3/85

New Delhi, the 8th May, 1985

No IFCI(B&C)Spl. GM/85.—In continuation of Industrial Finance Corporation of India's (IFCI) Notification No. 1/85 dated the 6th April, 1985, and in pursuance of Regulation 33 of the General Regulations of the Corporation, it is hereby notified that only one valid nomination for election of one Director representing shareholders referred to in Clause (C) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 has been received in favour of Shri J. S. Varshneya, Chairman and Managing Director, Punjab National Bank, 5, Sansad Marg, New Delhi-110001.

म आई एफ सी/बी एफ डी सी /विशेष महासभा/85 —दिनांक 6 अप्रैल, 1985 की भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की अधिमूचना सं० 1/85 के अनुक्रम और निगम के सामान्य विनियमों के विनियम 33 के अनुसरण में एन.ए.ए. द्वारा अधिमूचित किया जाता है कि औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 10 की उप-धारा (1) के भाग (ग) में संदर्भित शेयर-धारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक निदेशक के चुनाव के लिए एक ही नई नामांकन, श्री जे. एस. वर्शनेया, अध्यक्ष एन एचबी निदेशक, पंजाब नेशनल बैंक, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 के पक्ष में प्राप्त हुआ है।

2 चाकि भरी जाने वाली एक रिक्ति के लिए कवल एक ही वैध नामांकन प्राप्त हुआ है, अतः उक्त विनियमों के अनुसार, श्री जे. एस. वर्शनेया 22 मई, 1985 को इस प्रयोजन के लिए बुलाई गई विशेष महासभा में भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक के रूप में चुने हुए समझे जाएंगे। श्री वर्शनेया उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (3) की शर्तों के अनुसार अपने पूर्वाधिकारी के कार्यकाल की असमाप्त अवधि, अर्थात् 1987 में होने वाली 39वीं वार्षिक महासभा में उत्तराधिकारी के चुने जाने तक एकासीन रहेंगे।

2. As only one valid nomination has been received, and there is only one vacancy to be filled, Shri J. S. Varshneya, in accordance with the said Regulation, shall be deemed to be elected as Director, IFCL, at the Special General Meeting convened for the purpose on the 22nd May, 1985. Shri Varshneya shall hold office, in terms of sub-section (3) of Section 11 of the said Act, for the unexpired portion of the term of

his predecessor i.e. till a successor is elected at the 39th Annual General Meeting to be held in 1987.

3. The Special General Meeting which was convened for the 22nd May, 1985, for the purpose of holding election of Director will, therefore, no longer be necessary to be held.

R. N. SAHOO, Executive Director.